विश्व बैंक क्या है

> *वर्ष 2002 में विश्वबैंक ने विकासशील देशों को $19.5 बिलियन की राशि प्रदान की और 100 से अधिक विकासशील देशों में गरीबी दूर करने के लिए वित्तीय सहयोग और/या तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करते हुए काम किया।*

हम इतनी धनी दुनिया में रहते हैं जिसकी वैश्विक आय **$31** ट्रिलियन से अधिक है। इस दुनिया में, कुछ देशों में औसत व्यक्ति साल भर में **$40,000** से अधिक कमाता है पर इसी दुनिया के **2.8** बिलियन लोग अर्थात् विकासशील देशों में रहने वाले आधे से ज्यादा लोग साल भर में **$700** से भी कम रकम पर निर्वाह करते हैं। इनमें से **1.2** बिलियन लोग तो प्रतिदिन **$1** से भी कम रकम कमाते हैं। अधिक जानकारी

इस कारण विकासशील देशों में **33,000** बच्चे प्रतिदिन मर जाते हैं। इन देशों में हर मिनट एक स्त्री बच्चे को जन्म देते समय मर जाती है। गरीबी के कारण **100** मिलियन से अधिक बच्चे, जिनमें से अधिकांश लड़कियां हैं, स्कूल नही जा पाते।

आबादी लगातार बढ़ रही है, और एक अनुमान के अनुसार अगले **50** वर्षो में **3** बिलियन लोग बढ़ जायेंगे, ऐसे में गरीबी के इस स्तर को कम करना एक कड़ी चुनौती है।

विश्व बैंक इस अन्तर को कम करके, अमीर देशों के संसाधनों को गरीब देशों की समृद्धि के लिये मोड़ने का कार्य कर रहा है। विश्व का सबसे बड़ा विकास सहायता का स्रोत, विश्व बैंक विकासशील देशों की सरकारों को स्कूल बनाने, स्वास्थ्य केन्द्रों, जल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति, बीमारियों से लड़ने और पर्यावरण की रक्षा आदि के लिये सहायता दे कर उनके प्रयासों में मदद करता है ।

केवल बैंक ही नहीं, बल्कि एक विशिष्ट एजेन्सी है : साधारण समझ से विश्व बैंक एक ''बैंक'' नहीं है। यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेन्सी है, जो कि **184** सदस्य देशों से मिल कर बनी है। इन देशों का यह सम्मिलित रूप से दायित्व यह देखना है कि, संस्था को वित्तीय सहायता किस प्रकार से दी गई और किस प्रकार से उपयोग में लाई गई है। विकास से जुड़े अन्य समुदायों-संस्थानों के साथ विश्व बैंक अपने प्रयत्न संयुक्त राष्ट्र संघ सदस्यों द्वारा **2000** में सहमत और गरीबी के स्तर में लगातार कमी लाने के लक्ष्य 'मिलेनियम डेवेलपमेंट गोल्स' के प्रति केंद्रित करता है।

''विश्व बैंक'' यह नाम इन्टरनेशनल बैंक फॉर रिकन्सट्रक्शन एण्ड डेवेलपमेन्ट (आई बी आर डी) और इन्टरनेशनल डेवेलपमेन्ट बैंक एसोसियेशन (आई डी ए) के लिये प्रयोग किया जाता है। यह सब संस्थाएं मिलजुलकर विकासशील देशों को कम ब्याज पर कर्ज़, ब्याजमुक्त कर्ज़ और अनुदान प्रदान करती हैं।

विश्व बैंक के वाशिंगटन डी. सी. स्थित मुख्यालय और इसके **109** देशीय कार्यालयों में काम करने वाले **10,000** के लगभग विकास विशेषज्ञों में दुनिया के हर देश के लोग शामिल हैं।

8.1 बिलियन डालर सहायता के रूप में : विश्व के कम आय वाले देश सामान्य तौर पर अन्तर्राष्ट्रीय बाजार से धन उधार नहीं ले सकते हैं या फिर वे ऐसा अधिक ब्याज पर कर सकते हैं। विकसित देशों से उधारी तथा सीधे चंदा के अतिरिक्त यह देश विश्व बैंक से अनुदान, ब्याजमुक्त उधारी, तथा तकनीकी सहायता प्राप्त करते हैं जिससे वह आधारभूत सुविधाएं दे पाते हैं। उधारी चुकाने के लिए, देशों के पास, **10** वर्ष के छूट सहित **35-40** वर्ष होते हैं।

- वित्तीय वर्ष **2002** में, आई डी ए ने **8.1** बिलियन डालर की राशि, **62** कम आय वाले देशों को **133** परियोजनाओं हेतु वित्तीय सहायता के रूप में दी।

वित्तीय सहायता विश्व के सबसे बड़े रियायती स्रोत, आई डी ए से प्राप्त होती है। करीब **40** अमीर देश इस राशि को प्रत्येक चार वर्ष में चंदा द्वारा प्रदान करते हैं। सन **2002** में, तकरीबन **9** बिलियन डालर धनदाताओं से तथा **6.6** बिलियन डालर बैंक के संसाधनों से प्राप्त कर धनराशि इकठ्ठी की गई। उस समय, गरीबतम देशों और संवेदनशील देशों द्वारा झेले जाने वाली विशेष समस्याओं, जैसे कि एच आई वी/एड्स की महामारी से मुकाबले हेतु, संसाधनों के **21** प्रतिशत तक, आई डी ए अनुदानों का अधिक प्रयोग बढ़ाने के लिये धनदाता सहमत हो गए।

आई डी ए को प्राप्त साख, बैंक की वित्तीय सहायता का लगभग एक चौथाई भाग पूरा करती है। आई डी ए फंड को छोड़, बैंक की वहुत थोड़ी सी आय उसके सदस्य देशों द्वारा पूरी की जाती है।

11.5 बिलियन डालर के ऋण : अधिक आय वाले विकासशील देश - कुछ वे जो कि व्यापारिक स्रोतों से उधार ले सकते हैं, परन्तु प्राय: वहुत मंहगी ब्याज दर पर, आई बी आर डी से ऋण लेते हैं।

जो देश आई बी आर डी से ऋण लेते हैं, उन्हें व्यापारिक बैंकों के मुकावले, ऋण वापस करने के लिये अधिक समय मिलता है, यानि मूल धन वापस करना आरम्भ करने से पहले, तीन से पाँच वर्षो की छूट के साथ **15** से **20** वर्ष का समय ऋण वापस करने के लिये मिलता है। विकासशील देशों की सरकारें किन्ही विशेष कार्यक्रमों, जैसे गरीबी कम करने के प्रयास, सामाजिक सेवाओं देने, पर्यावरण के बचाव, जीवन स्तर सुधारने हेतु आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, आदि के लिये ऋण लेती हैं। वित्तीय वर्ष **2002** में आई बी आर डी ने कुल **11.5** बिलियन डालर का ऋण **40** देशों की **96** परियोजनाओं के लिये दिया।

पूंजी बढ़ाना : आई बी आर डी अपना लगभग सारा धन विश्व के आर्थिक बाज़ारों से पाता है - वित्तीय वर्ष **2002** में **23** बिलियन डॉलर - संग्रह। तीन ए की ऋण साख के साथ धन प्राप्ति के लिये वह बाण्ड जारी करता है तथा वह लेनदारों को यह रकम कम ब्याज पर देता है।

विश्व बैंक समूह : आई बी आर डी तथा आई डी ए के अलावा, तीन अन्य संस्थाएं हैं जो विश्व बैंक समूह को बनाती हैं। इंटरनेशल फाईनेन्स कॉर्पोरेशन (आई एफ सी) जो निजी क्षेत्र को अधिक जोखिम के क्षेत्रों और देशों में निवेश करने का बढ़ावा देता है। मल्टीलेटरल इन्वेस्टमेन्ट गारन्टी एजेन्सी (एम आई जी ए) विकासशील देशों के लिए ऋणदाताओं और निवेशकों को राजनैतिक जोखिम वीमा (गारन्टी देना) प्रदान करती है। इंटरनेशल सेन्टर फॉर सेटलमेन्ट ऑफ इन्वेस्टमेन्ट डिस्प्यूट (आई सी एस आई डी) विदेशी निवेशकों तथा उनके मेज़बान देशों के बीच के विवाद को सुलझाता है।

वैश्विक वस्तुएं : पिछले कुछ वर्षो में, विश्व बैंक ने काफी संसाधनों को वैश्विक प्रभाव वाले क्रियाकलापों के लिये प्रयुक्त किया है। एक है ऋण मुक्ति, अति ऋणबोझ से दवे गरीब देशों के लिये पहल (हैविली इनडेटेड पुअर कन्ट्रीस इनीशियेटिव या एचआईपीसी), के अन्तर्गत **26** गरीब देशों को ऋण मुक्ति मिली है, इससे समयान्तर में उनका **41** बिलियन डालर धन बचेगा। ऋण भुगतान द्वारा बचा यह धन ये देश, गृह निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, तथा गरीबों के कल्याण कार्यक्रमों में लगायेंगे।

विश्व बैंक, **189** देशों तथा अनगिनत संस्थाओं के साथ मिलकर, गरीबी से लड़ने के लिये, अद्वितीय वैश्विक साझेदारी के लिये कृत संकल्प है। मिलेनियम डेवेलपमेन्ट गोल्स, द्वारा सन **2015** तक पाए जाने वाले विशिष्ट लक्ष्यों को इन क्षेत्रों हेतु तय किया गया है, जैसे कि स्कूल में दाखिले, बच्चों की मृत्यु दर में कमी, मात्र स्वास्थ्य, बीमारी, तथा पीने के पानी की उपलब्धि।

तमाम अन्य वैश्विक भागीदारियों में से विश्व बैंक ने एच आई वी/एड्स के साथ मुकावले में सहयोग को, अपनी कार्यसूची में सबसे प्रथम रखा है। यह एच आई वी/एड्स की सबसे बड़ी, दीर्घ अवधि के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली संस्था है। वर्तमान समय में बैंक का **1.3** बिलियन डालर से अधिक का प्रावधान एच आई वी/एड्स के लिये है, जिसका आधा उप सहारा-अफ्रीका क्षेत्र के लिये है।

जमीन पर विभिन्न कार्य : वर्तमान में विकासशील देशों में बैंक लगभग प्रत्येक क्षेत्र में **1800** से अधिक परियोजनाओं में व्यस्त है। यह इतनी भिन्न हैं जैसे कि वोसनिया हर्जेगोविना में छोटे ऋण या माईक्रो क्रेडिट, गिनी के समुदायों में एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वंगला देश में लड़कियों की शिक्षा में सहयोग देना, मेक्सिको में स्वास्थ्य देखभाल में सुधार, स्वतंत्रता के बाद ईस्ट टिमोर के पुन: निर्माण में मदद, सर्वनाशकारी भूकम्प के बाद भारत को गुजरात को फिर बनाने हेतु।

इसके अलावा परियोजना रूपरेखा पर कुछ चयनित सामग्री, एवं वेबसाईट के देश और परियोजना वर्गों में, बैंक के ज़मीनी कार्यो का वर्णन मिलता है।

सम्बन्धित लिंक
वार्षिक रिपोर्ट

संक्षेप में मुद्दें - विषय आधारित मुद्दों पर दृष्टिकोण
सदस्य देश
दस बातें जो आपको कभी मालूम नहीं थी...